

श्री एस. एस. अहलुवालिया : क्या आप कभी जीरो ऑवर में या स्पेशल मेशन में disassociate करने वाले को बोलने देते हैं? ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : यह जीरो ऑवर नहीं है ...*(व्यवधान)*... It is not Zero Hour. ...*(व्यवधान)*...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : क्या आप कभी disassociate करने वाले को बोलने देते हैं? ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : On important issues we have allowed it...*(Interruptions)*

श्री एम. वेंकैया नायडु : सर, ...*(व्यवधान)*... कोई associate करे या disassociate करे ...*(व्यवधान)*... क्या आपने कभी disassociate करने का मौका दिया है ? ...*(व्यवधान)*...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : कभी नहीं दिया आपने ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : यह जीरो ऑवर नहीं है? ...*(व्यवधान)*...

श्री एम. वेंकैया नायडु : यह जीरो ऑवर नहीं है। ...*(व्यवधान)*...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : जीरो ऑवर भी हो, तब भी नहीं दिया है। ...*(व्यवधान)*... ऐसे कभी भी नहीं दिया है। ...*(व्यवधान)*...

श्री एम. वेंकैया नायडु : हाउस में एक controversy आई। Tension is also unnecessarily, building up. So, one way is the Chair can take an initiative to allow the Member to raise this issue and say what he wants to say and then the Government can respond.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The Chair can definitely take an initiative, but ...*(Interruptions)*. Then I will have to allow ...*(Interruptions)*

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, प्रश्न काल स्थगन का नोटिस दिया। ...*(व्यवधान)*... आपने तब भी नहीं बोलने दिया। ...*(व्यवधान)*... जीरो ऑवर भी बोलने नहीं दिया। ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : जीरो ऑवर नहीं है न? ...*(व्यवधान)*...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : जीरो ऑवर भी बोलने नहीं देंगे, ...*(व्यवधान)*... तब कैसे यह होगा? ...*(व्यवधान)*... आप बोलते हैं कि हमने मांगा नहीं। ...*(व्यवधान)*...

श्री एम. वेंकैया नायडु : लोक सभा में अलाऊ किया है। ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : लोक सभा में अलाऊ किया है ...*(व्यवधान)*... हम भी अलाऊ करना चाहते हैं न? ...*(व्यवधान)*...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : Leader of the House हैं। ...*(व्यवधान)*... उन्हें बुलाइए। ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : आप बोलिए। ...*(व्यवधान)*... आप बोलिए। ...*(व्यवधान)*... आप बोलिए न? ...*(व्यवधान)*...

श्री एम. वेंकैया नायडु : वहां कांग्रेस वाला कोई नहीं बोला?

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I do not know that. It is independent of. ...*(Interruptions)* आप बैठिए, प्लीज बैठिए। मिस्टर तरलोचन सिंह, आप बैठिए।

डा. राम प्रकाश : सर, हमें बोलने दीजिए।

श्री उपसभापति : आप बैठिए।

#### MATTER RAISED WITH PERMISSION

Alleged Bifurcation of Shiromani Gurudwara Prabandhak Committee

for setting up a Separate Committee in Haryana

**श्री एस. एस. अहलुवालिया (झारखंड) :** सर, लोक हित के महत्वपूर्ण विषय पर मैंने सुबह प्रश्न काल स्थगन का नोटिस दिया था। उस का मूल कारण था कि 1925 के एक्ट के तहत बनी राष्ट्र की सब से पुरानी संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, जो सिखों के धार्मिक मसले और सिखों के ऐतिहासिक गुरुद्वारा के रख-रखाव के लिए चलाई जाती है, जिस के प्रथम अध्यक्ष देश के स्वतंत्रता सेनानी शिरोमणि बाबा खड़ग सिंह थे, उनके नेतृत्व में वह एस. जी. पी. सी. चली महोदय, जब उस एस.जी.पी.सी. का कानून पास हुआ, ब्रिटिश साम्राज्यवाद की लाहौर एसैम्बली में जब यह कानून पास हुआ, तब एक बात महात्मा गांधी जी ने कही थी कि हम आजादी की जंग की पहली लड़ाई जीत गए। नेहरू जी ने उस आंदोलन में, जैतों के मामले में, जब मोर्चा लगा, तब वहां जाकर गिरफ्तारी दी, लाखों लोग शहीद हुए, लाखों लोग जेल गए, सजाएं काटीं। यह एक धार्मिक अधिकार पाने के लिए सिखों ने यह जंग लड़ी और जद्दो-जेहाद करते हुए यह एस.जी.पी.सी. एक्ट पास किया। आज हरियाणा सरकार उसे तोड़कर, उस के टुकड़े-टुकड़े कर के, हरियाणा में एक अलग एस. जी. पी. सी. बनाने के लिए एक अध्यादेश जारी कर रही है। मेरा कहना यह है कि 1925 में जो कानून पास हुआ है, उस में संशोधन करने का अधिकार पार्लियामेंट को है या 1925 से जो एक परंपरा चली आ रही है, उन सिखों को आहत करने के लिए यह अध्यादेश जारी कर रही है। महोदय, इस के पहले भी हम ने देखा है, भिंडरावाले पैदा हुआ, उस ने एस. जी. पी. सी. में चुनाव लड़वाए और जब वे नहीं जीत सके तो बंदूकधारी लोग अकाल तख्त पर बैठ गए। फिर ऑपरेशन ब्लू स्टार हुआ, देश की प्रधान मंत्री मारी गयी, भिंडरावाले मारे गए, सिख आहत हुए और हमारा धार्मिक स्थान टुकड़े-टुकड़े कर दिया गया। आज उसी धार्मिक स्थान की मर्यादाओं की रक्षा करने के लिए, उस की रक्षा करने के लिए जो कानून बना हुआ है...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति :** आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... Ahluwaliaji, don't raise controversial issues. ....**(Interruptions)** Don't bring in all those issues....**(Interruptions)**

**श्री एस. एस. अहलुवालिया :** सर, इश्यू तो यही है, एस. जी. पी. सी. का इश्यू यही है। ...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति :** आप एस. जी. पी. सी. का इश्यू लीजिए, आप हिस्ट्री में क्यों जा रहे हो?...**(व्यवधान)**...

**श्री एस. एस. अहलुवालिया :** पंडित जवाहर लाल नेहरू का ...**(व्यवधान)**... सर, मैं आप को गुरुद्वारों के बारे में और सिखों की राय के बारे में पंडित जवाहर लाल नेहरू और मास्टर तारा सिंह का पैक्ट...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति :** वह तो ठीक है, आप सवाल उठाइए ना। तारीख सब को मालूम है, आप सवाल बताइए?

**श्री एस. एस. अहलुवालिया :** उसके बाद लोंगोवाल का पैक्ट ...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति :** आज विषय क्या है, उस पर बोलिए।

**श्री एस. एस. अहलुवालिया :** सर, विषय वही है कि आज हरियाणा सरकार एक अध्यादेश जारी कर के एक separate SGPC बनाने की कोशिश कर रही है। क्या यह देश के हित में, राष्ट्र के हित और सिखों के हित में है क्या?

श्री उपसभापति : ठीक है।

श्री एस. एस. अहलुवालिया : मैं सरकार से मांग करता हूँ कि इस सदन के नेता डा. मनमोहन सिंह, जो इत्तफाक से इस सदन के नेता भी हैं, प्रधान मंत्री भी हैं, सिख भी हैं ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप उन को इस में क्यों ला रहे हैं? That is not the issue. It has nothing to do with the Prime Minister.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, सिख इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : नहीं, यह ठीक नहीं है। Don't drag the Prime Minister into it.

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, मेरा तो सीधा सा सवाल है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The issue that you have given here is 'Alleged Bifurcation of the Shiromani Gurudwara Prabandhak Committee in Haryana'. You restrict your submission to this subject.

SHRI S.S. AHLUWALIA : Sir, I have just explained what happened in the past, पास्ट में क्या हुआ ...(व्यवधान)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka) : Sir, he has not made any comment against anybody. He has only referred to history.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : That is not necessary. He may refer to so many things in history, 1857 also. But, for a meaningful discussion, let us not raise controversial issues...(Interruptions)

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, फिर वहीं dirty politics उस समय भी एस. जी. पी. सी. को ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप बोलिये ना ...(व्यवधान)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : यही dirty politics उस समय भी एस. जी. पी. सी. को ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आपका सवाल इतना ही है कि "Alleged bifurcation of the Sikh Gurudwara Prabandhak Committee in Haryana"...(Interruptions)...You are in favour of it or not...(Interruptions).. That is all ...(Interruptions).. That is all...(Interruptions)... अब बात को खत्म कीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRI S. S. AHLUWALIA : Yes, I want an assurance from the Government ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Now, Shri Gujral...(Interruptions).. Now, Sardar Tarlochan Singh...(Interruptions)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : सर, इस सदन में ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Do you want ...(Interruptions)... Please take your seats...(Interruptions)

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा (पंजाब) : सर ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप बैठिये। ...*(व्यवधान)*... मैं खड़ा हूँ, आप तो बैठिये। ...*(व्यवधान)*... इतनी परम्परा तो निभाइये। ...*(व्यवधान)*...

श्री नंदा येल्लैया (आंध्र प्रदेश) : सर ...*(व्यवधान)*...

डा. राम प्रकाश (हरियाणा) : उपसभापति महोदय ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : आप लोग बैठिये। ...*(व्यवधान)*... आप बैठिये। ...*(व्यवधान)*... It is uncontrollable ...*(Interruptions)*... It is uncontrollable...*(Interruptions)*... आप बैठिये न ...*(व्यवधान)*... It is uncontrollable...*(Interruptions)*... If the Members of the Treasury Benches also start speaking together...*(Interruptions)*... देखिए ...*(व्यवधान)*... आप बैठिए न ...*(व्यवधान)*... बोलने देना, न देना मेरा अधिकार है। आप बैठिये ...*(व्यवधान)*... आपने यह ज़ीरो आवर के सस्पेंशन का भी सबमिशन दिया है और सस्पेंशन ऑफ क्वेश्चन आवर के लिए भी दिया था। यह बात तय हुई थी कि इस विषय को उठाया जाए और यह भी तय हुआ था कि as an exceptional case, this will be allowed to be raised. Only three Members will speak on it; that was the understanding. The only thing is, it is an alleged bifurcation. Some people want it; some people do not want it. You put your point of view. Now, if you raise certain issues, whether it relates to history or some other thing, the other Members also have the right to put their points of view...*(Interruptions)*... You see, your issue is specific, and you raise a specific issue. To that extent, I will allow...*(Interruptions)*...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu) : He has finished, Sir...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I will allow you also...*(Interruptions)*... Now, Sardar Tarlochan Singh ...*(Interruptions)*

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा : सर, ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : आप बैठिए। ...*(व्यवधान)*... Mr. Keshava Rao, this is not correct...*(Interruptions)*... देखिये, आप बैठिये। मैं बोल रहा हूँ, आप सुनिये। ...*(व्यवधान)*...

श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा : सर, ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति : आप बैठिये। आपकी पार्टी से मैं representation दे रहा हूँ, आप बैठिये। हम सबको नहीं दे सकते। आपकी पार्टी से we will give representation, ...*(Interruptions)*... केशव राव जी, मैंने यह कहा था कि as a special case, Zero Hour पर morning में discussion हुआ है कि यह केस ज़ीरो आवर में लेंगे। The Chair is allowing this issue to be raised. If you want to say anything on this issue, I can't allow you because you have not given a notice...*(Interruptions)*... Please take your seats...*(Interruptions)*... Please take your seats...*(Interruptions)*... If you don't listen to the Chair, then, what can I do? ...*(Interruptions)*... If you don't listen to the Chair, I will adjourn the House ...*(Interruptions)*... You don't want the Business of the House to be taken up...*(Interruptions)*...

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan) : Sir, they did not allow the Question Hour to proceed...*(Interruptions)*... They did not allow the Question Hour...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : What is it that you can't allow? ....(Interruptions)... You cannot say that ... (Interruptions)... Mr. Bagrodia, you are a senior Member. You cannot say, "I can't allow" ... (Interruptions)...

SHRI SANTOSH BAGRODIA : Sir, I did not say like ... (Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Then, what did you say... (Interruptions).. Who will not allow? ... (Interruptions)...

**डा. राम प्रकाश :** उपसभापति महोदय ... (व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : It has been agreed to ... (Interruptions)... It has been agreed to ... (Interruptions)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : Sir, in the morning, they said that they would allow the Question Hour to go on, but they did not allow the Question Hour... (Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I can't hear you because there is so much of noise... (Interruptions)...

**श्री गिरिश कुमार सांगी (आंध्र प्रदेश) :** ... (व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : You see, if five Members get up and start speaking together, nothing will be hard... (Interruptions)... Let one Member speak at a time ... (Interruptions)... At a time, one Member should put his point of view... (Interruptions)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Sir, you have called him... (Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I have not called him... (Interruptions)... I have called Sardar Tarlochan Singh... (Interruptions)...

**श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा :** सर, ... (व्यवधान)...

**श्री उपसभापति :** मैंने आपको नहीं बुलाया है, आप बैठिये ... (व्यवधान)... गुजराल साहब बोलेगे या आप बोलेगे?... (व्यवधान)...

**श्री एम. वेंकैया नायडु :** गुजराल साहब नहीं बोलेगे, बल्कि अकाली दल के नेता बोलेगा... (व्यवधान)...

**श्री उपसभापति :** ठीक है, ठीक है। मैं बुलाऊंगा, आप बैठिये ... (व्यवधान)...

DR. K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh) : Sir, issues become sensitive by their very nature. It is true that 3-4 Members went to you. As you have seen, while speaking on the subject, they might have spoken on that which they think pertinent, but which really affects the entire House. It is true that you have taken a decision to allow three Members, but the entire House also should accept that. If the other Members of the House feel that it is sensitive and they are interested in speaking, you must allow; if not all, as you have identified at least three Members; you allow the Members ... (Interruptions) Sir, please hear me. Sir, most unfortunately, we are in the ruling party now. If I were in the Opposition, you would have given me the chance. I know... (Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I have been listening to you but if all other Members get up and speak together, how can it be heard? If there is no discipline, how can it be heard? ...*(Interruptions)*.. Let there be some discipline.

DR. K. KESHA RAO : Sir, nobody can object to what Mr. Ahluwalia has said. He has a right to say whatever he wants to say. But when it becomes objectionable, the other version has to be heard. The Chair should respond to that situation. Now, the question here is, the Haryana...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Please do not go into the merits of the case ...*(Interruptions)*

DR. K. KESHA RAO : Sir, I am not going into the subject. Sir, I am very particular about my words. I weigh my words and speak. A few Members here are also from Haryana and they too want to respond. The Chair must accommodate them...*(Interruptions)*

MR. DEPUTY CHAIRMAN : It is zero hour; you can either associate or disassociate...*(Interruptions)*

**डा. राम प्रकाश :** सर, यह कैसा ...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति :** आप बैठिए। ...*(व्यवधान)*... आप बोलिए सरदार तरलोचन सिंह जी। Please do not go into the background, the history of 1925 ...*(Interruptions)*... Be specific on this.

**सरदार तरलोचन सिंह (हरियाणा) :** चेयरमैन साहब, मेरे दोस्त अहलुवालिया साहब ने जो मुद्दा उठाया है, मैं उस बारे में थोड़ी सी बात ही करना चाहता हूँ। हमारे सारे दोस्त मैम्बरान बैठे हैं। ...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति :** आप बैठिए। तरलोचन सिंह जी बोल रहे हैं तो आप क्यों खड़े हैं?

**सरदार तरलोचन सिंह :** सर, यह मामला न हरियाणा, न पंजाब, किसी का नहीं है, यह मामला सिखों का है। सिख माइनॉरिटी कम्युनिटी है। हमारा देश ...*(व्यवधान)*... सर, अगर मैं कोई गलतबयानी करूँगा तो मैं उसके लिए जिम्मेवार हाऊँगा। सिखों ने देश के लिए सब कुर्बानियाँ कीं। ...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति :** आप बैठिए। आप बैठिए।

**सरदार तरलोचन सिंह :** सर, मुझे समझ नहीं आता कि मुझे बोलने क्यों नहीं दे रहे। क्या हमारा इतना भी right नहीं कि हम बोल सकें? यह क्या बात हुई? ...*(व्यवधान)*... आप बीच में दखल क्यों दे रहे हैं, क्या हम आपको बीच में दखल देते हैं?

सर, मैं बड़ी clear बात करना चाहता हूँ कि यह सिखों का issue है, हमारा religious issue, हमारी तो एक ही अपील है कि religious issue में interfere करने का सरकार को कोई हक नहीं है। पहली बात तो यह है।

दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि टाइम बहुत खतरनाक है। किसलिए? क्योंकि, आज देश में अनाज की कमी है, पंजाब का सारा सिख rice production में लगा है, पंजाब का सारा सिख बॉर्डर पर बैठा है। आप हमें ऐसी नौबत पर न पहुंचाएं कि हमें agitation करनी पड़े और हमारी attention divert हो। ऐसी नौबत न आए, इसी में देश की भलाई है। हरियाणा बने हुए 43 साल हो चुके हैं ...**(व्यवधान)**... हरियाणा बने 43 साल हो चुके हैं, आज क्या जरूरत पड़ गई? इसलिए, सर, मेरी एक ही विनती है कि यह सिखों का religious issue है, इसे सिखों तक ही रहने दो। जो हमारा background है, आप उसे जानते हैं, इसलिए ऐसी पोजीशन फिर से न आए। हम देश के लिए कुर्बानी, देश की रक्षा और देश में उपज के लिए सब कुछ कर रहे हैं यह issue बहुत गलत टाइम पर आया है, इसको आप रोकिए।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : Please remember what happened. ...**(Interruptions)**..

MR. DEPUTY CHAIRMAN : This is not allowed...**(Interruptions)**... I have said that no background should be quoted, and speak on the specific issue.

**श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा** (पंजाब) : डिप्टी चेयरमैन साहब, आपके माध्यम से मैं सरकार को SGPC के मुतल्लिक कुछ कहना चाहता हूँ और मेरे दोस्त, श्री अहलुवालिया साहब, तरलोचन सिंह जी ने और गुजराल साहब ने जो नोटिस दिया है, इन सबको मैं सपोर्ट करता हूँ।

सर, बड़ी कुर्बानियों के बाद, सारे हिन्दुस्तान की जितनी भी कौमे थी - चाहे वह हिन्दू हो, मुसलमान हो, चाहे सिख हो, चाहे जैन हो, चाहे बौद्ध हो - सबने SGPC को बनने में सपोर्ट दी और इतनी कुर्बानियां हुईं, मोर्चे लगे - जैतो का मोर्चा लगा, गुरु-का-बाग मोर्चा लगा। जैतो मोर्चे में पंडित जवाहर लाल नेहरू ने क्या कहा। ...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति** : आप क्या चाहते हैं? वह कहिए। ....**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति** : आप क्या चाहते हैं?

**श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा** : हम चाहते हैं कि bifurcation नहीं होना चाहिए...**(व्यवधान)**...

**श्री वी. मैत्रेयन (तमिलनाडु)** : इन्होंने एक-दो शब्दों में अपनी बात खत्म कर दी।

**श्री उपसभापति** : आप बैठिए, आप तमिलनाडु की बात यहां क्यों लाते हैं...**(व्यवधान)**... issue एक ही है ...**(व्यवधान)**... उन्हें बोलने देना, न देना, चेयर का काम है, आप सिफारिश मत कीजिए।

**श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा** : \*It is said that they are on the borders.. Please listen. It is said, Sikh is a sleeping giant. Let them sleep. If you prick them...**(Interruptions)** They should be placed for protection of borders. Let them do farming, and, let the Government rule peacefully at Delhi. Let the Sikhs fight on border. We are ready for that sacrifice. A finger was pointed at us. We proved our mettle during the Kargil War. What else proof do you want. You can see our sacrifices by reading our community's name on the walls of Andaman and Nicobar jails.

**श्री उपसभापति** : आप Subject पर बोलिए, किसी के ऊपर allegation मत लगाइए, दूसरों को जवाब देना पड़ेगा ...**(व्यवधान)**...

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab) : My only point is that do not bring politics into it...**(Interruptions)**...

---

\*English translation of the original speech in Punjabi.

**श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा :** \*Sir, our SGPC is a religious elected body of the Sikhs. Nobody other than Sikhs are allowed to cast votes in its election. Only Sikhs elect this body, and nobody other than the Sikhs is allowed to interfere in its affairs. There were pacts like Nehru-Tara Singh pact, and, Sant Longowal-Rajiv pact regarding the management of its affairs.

**श्री उपसभापति :** आपने नोटिस नहीं दिया, आप पंजाबी में बोल रहे हैं, दूसरे लोग समझ नहीं पा रहे हैं ...*(व्यवधान)*...

**श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा :** नोटिस दिया है, मेरे साथी मेबर ने नोटिस दिया है।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : He is speaking in Punjabi...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Interpretation is available in Punjabi. आप बोलिए और जल्दी खत्म कीजिए।

**श्री राज मोहिन्दर सिंह मजीठा :** सर, मैं जल्दी खत्म करूंगा। मैं कहता हूँ कि इतनी बहादुर कौम, जो बॉर्डर पर बैठी हुई है, जिसको आप सबने सपोर्ट किया, कांग्रेस ने सपोर्ट किया गांधी जी ने सपोर्ट किया, नेहरू जी ने सपोर्ट किया। आज उसको पोलिटिक्स में आगे लाकर, इलेक्शन में फायदा लेने के लिए इस इश्यू को उभारा जा रहा है। SGPC पहले कभी न तो bifurcate हुई थी, न कभी होगी। मैं आपसे सच्चे दिल से कहता हूँ कि आप सिख कौम को इम्तहान में न डालिए। यह बहुत सीरियस मामला है। पहले जो मामले हुए, भिडरावाला, वह कोई बात नहीं, इस बात पर पूरी कौम झकड़ती है। आप सरकार से कहिए कि प्राईम मिनिस्टर साहब या तो बयान दें या हमारी बात उन तक पहुंचा दीजिए। मैं सारे मेम्बर्स से हाथ जोड़कर कहता हूँ कि यह उनका मामला नहीं है, हम उनको ऐसे नहीं बोलते हैं, वे हमारे सिखों के मामले में दखल न दें, सिखों का मामला सरकार तक और सिखों तक सीमित रहे ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Now the matter is over...*(Interruptions)*... They have said that do not do it, do not interfere in it...*(Interruptions)*... Why do you want it? ...*(Interruptions)*... They wanted to say that thing.

**डा. राम प्रकाश :** देखिए, आप सबने अपनी बात कही है, मैं...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति :** देखिए, उनका एक प्वाइंट ऑफ व्यू था, उन्होंने बोल दिया, यह हरियाणा असेंबली नहीं है, प्वाइंट ऑफ व्यू हो गया, छोड़िए...

SHRI S.S. AHLUWALIA : Let the Leader of the House...*(Interruptions)*... सर, लीडर ऑफ दि हाउस यहाँ आकर रिस्पांड करे ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Do not bring the Leader of the House into picture ...*(Interruptions)*... You ask for response to every issue ...*(Interruptions)*... Every time the Leader of the House cannot come and respond...*(Interruptions)*... There are Cabinet Ministers; they do their jobs.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Mr. suggestion is that if the Government wants to respond, let them respond. But a Member cannot respond.

---

\*English translation of the original speech in Punjabi.



MR. DEPUTY CHAIRMAN : During Zero Hour I cannot compel the Government...(Interruptions)... It is over now...(Interruptions)... Now the next time, the Calling Attention...(Interruptions)...

डा. राम प्रकाश : सर, हमें भी अपनी बात कहने का मौका दीजिए ...(व्यवधान)...

---

CALLING ATTENTION TO A MATTER TO  
URGENT PUBLIC IMPORTANCE

**Availability of Natural Gas for power generation and other national priorities at affordable price  
throughout the country**

SHRI TAPAN KUMAR SEN (WEST BENGAL) : Sir, I beg to call the attention of the Minister of Petroleum and Natural Gas to the availability of Natural Gas for power generation and other national priorities at affordable price throughout the country.

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI MURLI DEORA) : Sir, the production and supply of natural gas started in a major way in the country with the commissioning of the Hazira-Vijaipur-Jagdishpur (HVJ) line by GAIL in the year 1987. However, with no major discovery of gas for several years, the demand far outstripped the availability. The first step towards bridging the gap between demand and supply of natural gas was taken when the country embarked on an accelerated programme of exploration and production through the New Exploration Licensing Policy (NELP) bidding rounds in 1999.

Till the year 2008, the domestic availability of natural gas in the country was 105 million metric standard cubic metres per day (mmscmd), of which about 28 mmscmd was through import of LNG. Against this, the estimated demand of natural gas was around 197 mmscmd. With the commencement of gas production from KG D-6 fields and increased import potential of Liquefied Natural Gas (LNG), the gap between demand and supply has come down.

As on 31.3.2009, the domestic availability of gas in the country was 105 mmscmd, out of which about 53 mmscmd was produced from nominated fields given to Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) and Oil India Ltd. (OIL), 24 mmscmd from pre-NELP fields operated by various Contractors, and 28 mmscmd was imported gas in the form of LNG. Out of this, about 40 mmscmd gas was being supplied to power sector, about 30 mmscmd to fertilizer sector and 5 mmscmd for city gas distribution projects.